प्रो० पी.के.गर्ग, कुलपति
संपर्क संख्या : 0135-2770128 ईमेल: vc@uktech.ac.in
बी.ई. : सिविल इंजीनियरिंग (रूडकी विश्वविद्यालय, 1980)
एम.ई .: एडवांस सर्वेयिंग एंड फोटोग्रामेट्री (रुड़की विश्वविद्यालय, 1982)
पीएचडी: रिमोट सेंसिंग (यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिस्टल, यू0के0, 1991)
पोस्ट डॉक्टरेट: रिमोट सेंसिंग एंड जी०आई०एस० (यूनिवर्सिटी ऑफ रैडिंग, यू0के0, 1999)

प्रो० पी.के. गर्ग वर्तमान में उत्तराखंड तकनीकी विश्वविद्यालय, देहरादून में कुलपति के रूप में सेवारत हैं। उन्होंने रूड़की विश्वविद्यालय (वर्तमान में आईआईटी, रुड़की) से वर्ष 1980 में बी.टेक (सिविल इंजीनियरिंग) और वर्ष 1982 में एम.टेक (सिविल इंजीनियरिंग) उतीर्ण किया तथा एम०टेक० में उनको स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिस्टल (यू०के०) से पीएचडी करने पर तथा यूनिवर्सिटी ऑफ रैडिंग (यू०के०) से पोस्ट-डॉक्टोरल शोधकार्य करने पर उनको क्रमशाः कॉमनवेल्थ स्कॉलरशिप तथा फेलोशिप अवार्ड से सम्मानित किया गया। उन्होंने 1982 में आईआईटी रुड़की में सिविल इंजिनियरिंग डिपार्टमेंट में लेक्चरर का पदभार ग्रहण किया व समय के साथ पदोन्नत होकर, वह वर्ष 2015 में विभागाध्यक्ष बने। आईआईटी, रुड़की में विभिन्न पदों पर रहते हुए प्रो० गर्ग द्वारा असाधारण शेक्षणिक एवँ प्रशासनिक क्षमताओं को दिखाया गया। प्रो० गर्ग ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों और पत्रिकाओं में 290 से अधिक तकनीकी शोधपत्र प्रकाशित किए हैं। उन्होंने 23 अनुसंधान परियोजनाएं पूर्ण की हैं और सिविल इंजीनियरिंग के विभिन्न पहलुओं पर 83 परामर्श परियोजनाओं के लिए तकनीकी सेवाएं प्रदान की हैं, जिससे संस्थान के लिए धन मुहैया हुआ हैं। उन्होंने रिमोट सेंसिंग पर एक पाठ्य पुस्तक लिखी है और "स्टोरी ऑफ मैपिंग" पर दो तकनीकी फिल्मों का निर्माण किया है। उन्होंने जिओमेटिक्स इंजीनियरिंग में कई नए पाठ्यक्रम और व्यावहारिक अभ्यास विकसित किए हैं। इसके अतिरिक्त, बड़ी संख्या में स्नातक परियोजनाओं की देखरेख करते हुए, उन्होंने 70 एम.टेक और 22 पीएचडी शोधार्थियों का मार्गदर्शन किया है। प्रो० गर्ग ने ई-लर्निंग पर प्रतिष्ठित एम०एच०आर०डी द्वारा वित्त पोषित परियोजनाओं; डेवलपमेंट ऑफ़ वर्चुअल लैब्स, टी.इ.क्यू.आई.पी., एन०पी०टी०ई०एल के अंतर्गत पेडैगोजी और पाठ्यक्रम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने पर्यावरण और वन मंत्रालय सहित विभिन्न राष्ट्रीय समितियों जैसे ई०ए०ई०सी० समिति, एन०बी०ए० (एआईसीटीई) एवँ परियोजना मूल्यांकन समिति, डीएसटी, नई दिल्ली में विशेषज्ञों के रूप में कार्य किया है। प्रो० गर्ग ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं के लिए बड़ी संख्या में शोधकार्यो की समीक्षा की है। देश में मानव संसाधन को प्रशिक्षित करने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, उन्होंने सर्वेक्षण, फोटोग्रामेट्री, रिमोट सेंसिंग, जीआईएस और जीपीएस के उन्नत क्षेत्रों में सफलतापूर्वक 40 प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया है। उन्होंने 20 सम्मेलनों और कार्यशालाओं का सफलतापूर्वक आयोजन किया है। वह 24 प्रोफेशनल सोसाइटीज के आजीवन सदस्य है, जिसमें से वह 8 सोसाइटीज के फैलो सदस्य हैं। शैक्षणिक कार्य के लिए प्रो० गर्ग ने व्यापक रूप से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यात्रा की है।

उनका लक्ष्य है, कि उत्तराखंड तकनीकी विश्वविद्यालय आगे बड़े व अध्यापन, अनुसंधान, नवाचार और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण को बढ़ावा देते हुए समाज और राष्ट्र के समग्र विकास के लिए प्रमुख भूमिका निभाए।